

प्रत्यक्ष करों के गुण एवं अंगुण  
(Merits & demerits of direct taxes)

गुण (Merits)

- (1) देय क्षमता का अनुमान — (Estimating ability to pay)  
प्रत्यक्ष करों के मामले में करदातों की सापेक्षिक देय क्षमता का अनुमान सिधे तौर पर लगाया जाता है। इसलिए इसके अनुमान में गलती होने की संभावना कम होती है। सामान्यतः प्रत्यक्ष करों तथा उनकी करों का पुनः इस प्रकार किया जाता है कि वे करदातों की सापेक्षिक देय क्षमता से अनुकूल हों। तथा करदातों का उपभोगिता परियोग भी न्यूनतम हो।
- (2) व्याय संगति (Equity) उपर्युक्त विवेक से यह निश्चय निकलता है कि प्रत्यक्ष कर सामाजिक एवं आर्थिक व्याय की कसौटियों पर भी खरे तौर सकते हैं।
- (3) वितरणीय व्याय — (Distributive Justice) प्रत्यक्ष करों का प्रयोग आय और धन के वितरण में असमानताओं को कम करने के लिए एक नीति ~~का~~ अल्प के रूप में भी किया जा सकता है।
- (4) साधन वितरण (Resource allocation) प्रत्यक्ष कर उत्पादन साधनों का प्रयुक्ति-आवेदन पर प्रभाव डाल कर कम होता है। इस संबंध में कई यह है कि कृषक किसानों पर सधा समाव नहीं पड़ता है। वही कारण होगा कि लोग लगातार प्रयुक्त बना रहता है तथा उत्पादन साधनों में एक समानता के पुनरे रोजगार की और हस्तांतरित करने की आवश्यकता नहीं पड़ती है।
- (5) किम्मत बढ़ाए एवं उपभोगिता परियोग — (Price & utility incentive)



दिया जाता है कि प्रत्यक्ष करों द्वारा करदाता केवल अपनी आय का एक भाग तो खोते हैं, परन्तु वस्तुओं की किमतों का अप्रभावित रहता है।

(6) राजस्व की उल्लुसता — (Budgetary slack) आर्थिक विकास के साथ-साथ इनसे राजस्व प्राप्ति में अपने आप बढ़ोतरी होती रहती है।

(7) जागलता (Overconfidence) प्रत्यक्ष कर करदाताओं में सामाजिक और राजनीतिक जागलता लाने में सहायक होते हैं। परिणामस्वरूप सरकार अपने वित्तीय अनुमानों को सुधारने के बजाय खोजती रहती है।

(8) गठयता (fixity) प्रत्यक्ष करों की दरों को अधिक पुनरावृत्ति से संशोधित किया जा सकता है।

(9) देय क्षमता (ability to pay) यद्यपि किसी एक प्रत्यक्ष करों की करदाताओं की तुलनात्मक देय क्षमता के अनुसार ढालने में कठिनाई हो सकती है परन्तु एक प्रत्यक्ष करों के एक साथ लायक करों के यह कार्य सिद्ध हो सकता है परन्तु यह यह है कि अयावश्यक इन करों का आकार मकार एक दुसरे के अनुकूल है।

### अवयुक्त (Demerits)

(1) आदर्श बनाम वास्तविकता (Ideal vs reality) यह बात विवादास्पद है कि प्रत्यक्ष करों एवं उनकी दरों का चुनाव सर्वोत्तम करदाताओं की तुलनात्मक देय क्षमता के अनुकूल किया जाता है।

(2) व्यवहारिकता (Feasibility) यह बात स्मरणार्थ है कि वास्तविकता में प्रत्यक्ष करों तथा उनकी दरों का इष्टतम चुनाव करना एक दुसरे कार्य है।

(3) कर बोझ (Tax burden) यह बात विवादास्पद है कि प्रत्यक्ष करों से उत्पादन लागतों का धारण प्रभावित नहीं होता और इस कारण वे प्रत्यक्ष करों से कम वोग्रित होते हैं। ऐसे उदाहरण मिलते हैं जहाँ —



विवरणीय असमानताओं को कम करने की चेष्टा में अर्थव्यवस्था तथा समाज की क्षमिग्रह होना पड़ा है

(4) राजस्व की उत्पत्ति - (Budgetary Deficit) यह एक कि आर्थिक विकास के साथ-साथ प्रत्यक्ष करों से प्राप्त राजस्व भी बढ़ी है, परीक्ष करों पर भी लागू होता है वस्तु के अतिरिक्त यह भी आवश्यक नहीं कि हर प्रत्यक्ष कर से प्राप्त राजस्व भी बढ़ी है।

(5) जागृकता - यह कथन भी विवादास्पद है कि केवल प्रत्यक्ष करों से ही करदाताओं में सामाजिक एवं राजनीतिक जागृकता आती है। यह कथन इस दावे के भी विपरीत है कि करदाताओं के लिए प्रत्यक्ष कर कम नोम्बल होते हैं; यदि वे कम नोम्बल होते हैं तो उनके जागृकता भी कम आनी चाहिए।

(6) कर देना का आनास - कर देना का आनास प्रत्यक्ष करों के मामले में अधिक होता है इसके अतिरिक्त चोरी की-पद्धति को भी अधिक बढ़ावा मिलता है वस्तु विपरित परीक्ष करों से आयातित वस्तुओं में से वृद्धा को यह विचार होता है कि वे इस कर आपन को अल्प वस्तुओं पर प्रतिक्रिया करने में सफल हो जायेंगे।

(7) सुविधा का अर्थसूत्र - प्रत्यक्ष कर 'सुविधा के अर्थसूत्र' का उल्लंघन करते हैं। इसके विपरीत परीक्ष करों की देयता क्रय विक्रय आदि की-प्रत्येक गतिविधि के आधार पर छोटी-छोटी राशियों में बँट जाने के कारण कम अर्थव्यवस्थागत होती है।

(8) आय और व्यय - करदाताओं के काम तथा व्यय करने की प्रवृत्ति के दृष्टिकोण से भी प्रत्यक्ष करों की एक प्रवृत्ति हमारे सामने आती है। करदाता अपने व्यय का दो प्रकार से उपयोग कर सकते हैं।

(9) धन द्वारा अर्जित करना तथा

(10) खाणी व्यय का अर्जित उठाना।

स्पष्ट है कि प्रत्यक्ष करारोपण के कारण धन द्वारा अर्जित आय बढ़ जाती है तथा करदाता की धन करने की वृद्धा भी होती है। वस्तु के अतिरिक्त यदि संपत्ति, धन अथवा अतिरिक्तता पर कर लगाए जाएँ तो व्यय की प्रवृत्ति भी दृष्टान्ति होती है।